.....

(HINDI)

(Second Language)

(Three Hours)

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

.....

*This paper comprises of two Sections—**Section A** and **Section B***

*Attempt **all** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least one question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or part of questions are given in brackets [ ].

.....

SECTION A (40 Marks)

*Attempt **all** questions*

Question 1.
Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :
(i) पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं तथा हमारी सच्ची मित्र एवम् गुरु भी होती हैं। हाल ही में पढ़ी गई अपनी किसी पुस्तक के विषय में बताते हुए लिखिए कि वह आपको पसन्द क्यों आई और आपने उससे क्या सीखा?
(ii) 'पर्यावरण है तो मानव है' विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आप क्या-क्या प्रयास कर रहे हैं ? विस्तार से लिखिए।
(iii) कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी ज़रूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए, अपने विचार लिखिए।
(iv) अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।
(v) प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई एक कहानी अथवा घटना लिखिए

जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2.
Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below:
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए- [7]
(i) आज टेलीविजन द्वारा विभिन्न चैनलों पर अंधविश्वास तथा तन्त्र-मन्त्र से सम्बन्धित कार्यक्रम दिखाकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्री को इसकी जानकारी देते हुए ऐसे कार्यक्रमों पर रोक लगाने का अनुरोध कीजिये।
(ii) आपकी चचेरी बहन जो गाँव में रहती है, उसकी दसवीं के बाद शिक्षा रोक दी गई है अतः उसकी आगे की शिक्षा जारी रखने का निवेदन करते हुए अपने चाचाजी को पत्र लिखिये जिसमें नारी शिक्षा की आवश्यकता और उसके लाभों की भी चर्चा कीजिये।

Question 3.
Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :
एक रियासत थी। उसका नाम था कंचनगढ़। वहाँ बहुत गरीबी थी। लोग कमज़ोर थे और धरती में कुछ उगता न था। चारों और भुखमरी थी। एक दिन राजा कंचनदेव राज्य की दशा से चिंतित हो उठे। अचानक उनके पास एक साधु आए। राजा ने उन्हें प्रणाम किया। राजा ने साधु को अपने राज्य के बारे में बताया और कुछ उपाय करने की प्रार्थना की। साधु मुस्कराकर बोले-"कंचनगढ़ के नीचे सोने की खान है।" इतना कहकर साधु चले गए। राजा ने खुदाई करवाई। वहाँ सोने की खान निकली। राजा का खजाना सोने से भर गया। राजा ने अपने राज्य में जगह-जगह मुफ़्त भोजनालय बनवाए, दवाखाने खुलवाए, चारागाह बनवाए तथा अन्य सुख-सुविधा के साधन उपलब्ध करा दिए। अब वहाँ कोई दुखी नहीं था।

सब लोग खुश थे। धीरे-धीरे लोग आलसी हो गए। कोई काम नहीं करता था। भोजन तक मुफ़्त में मिलने लगा था। मंत्री ने राजा को बहुत समझाया और कहा-"महाराज, लोग आलसी होते जा रहे हैं। उनको काम दिया जाए।" परंतु राजा ने मंत्री की बात को टाल दिया। कंचनगढ़ की समृद्धि को देखकर पड़ोसी रियासत के राजा को ईर्ष्या हुई। उसने अचानक कंचनगढ़ पर चढ़ाई कर दी और माँग की-"सोना दो या लड़ो।" कंचनगढ़ के आलसी लोगों ने राजा से कहा-"हमारे पास बहुत सोना है, कुछ दे दें। बेकार खून क्यों बहाया जाए?" राजा ने लोगों की बात मान ली और सोना दे दिया। कुछ दिनों बाद

उसी पड़ोसी राजा ने कंचनगढ़ पर फिर चढ़ाई कर दी। इस बार उसका लालच और बढ़ गया था। इसी प्रकार उसने कई बार चढ़ाई कर-करके कंचनगढ़ से सोना ले लिया। यह सब देखकर राजा का मंत्री बहुत परेशान हो गया। वह राजा को समझाना चाहता था, किंतु राजा के सम्मुख कुछ बोलने की हिम्मत नहीं हो पा रही थी। अंत में उसने युक्ति से काम लिया। एक दिन मंत्री कंचनदेव को घुमाने के लिए नगर के पूर्व की ओर बने गुलाब के बाग की ओर ले गया। राजा कंचनदेव ने देखा कि बाग में दाने बिखरे पड़े हैं।

कबूतर दाना चुग रहे हैं। थोड़ी दूर कुछ कबूतर मरे पड़े हैं। कुछ भी समझ में न आने पर राजा ने मरे हुए कबूतरों के बारे में मंत्री से पूछा। मंत्री ने बताया-"महाराज, इन्हें शिकारी पक्षियों ने मारा है।" राजा ने पूछा-"तो कबूतर भागते क्यों नहीं""भागते हैं लेकिन लालच में फिर से आ जाते हैं, क्योंकि उनके लिए यहाँ, आपकी आज्ञा से दाना डाला जाता है।"-मंत्री ने बताया। राजा ने कहा-"दाना डलवाना बंद कर दो।"

मंत्री ने वैसा ही किया। राजा अगले दिन फिर घूमने निकले। उन्होंने देखा कि दाना तो नहीं है, किंतु कबूतर आ-जा रहे हैं। राजा ने मंत्री से इसका कारण पूछा। मंत्री ने बताया-"महाराज, इन्हें बिना प्रयास के ही दाना मिल रहा था। यह अब दाने-चारे की तलाश की आदत भूल चुके हैं, आलसी हो गए हैं। शिकारी पक्षी इस बात को जानते हैं कि कबूतर तो यही आएँगे अतः वे इन्हें आसानी से मार डालते हैं।" राजा चिंता में पड़ गए। उन्होंने शाम को मंत्री को बुलाकर कहा"नगर के सारे मुफ़्त भोजनालय बंद करवा दो। जो मेहनत करे, वही खाए। लोग निकम्मे और आलसी होते जा रहे हैं। और हाँ, एक बात और। मैं अब शत्रु को सोना नहीं दूंगा, बल्कि उससे लड़ाई करूँगा। जाओ, सेना को मज़बूत करो।" मंत्री राजा की बात सुनकर बहुत खुश हो गया।

(i) राजा कंचनदेव की चिंता का क्या कारण था ? उन्होंने साधु से क्या प्रार्थना की?
(ii) साधु ने राजा को क्या बताया ? उसके बाद राजा ने राज्य के लिए क्या-क्या कार्य किए ?
(iii) पड़ोसी राजा के आक्रमण करने पर कंचनगढ़ का राजा क्या करता था और क्यों ?
(iv) कबूतरों की दशा कैसी थी? उस दशा को देखकर राजा ने क्या सीखा ?
(v) राजा ने मंत्री को क्या आदेश दिए ? आदेश सुनकर मंत्री की क्या स्थिति हुई ?

Question 4.
Answer the following according to the instructions given :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :
(i) निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम लिखिए : कीर्ति, निर्मल, विजय, निर्दोष ।
(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : धनवान, किनारा, दूध।
(ii) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : अपेक्षा, गुण।
(iv) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : प्रदर्षनी, लच्छमी, अपरीचीत।
(v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : आसमान से बातें करना, उड़ती चिड़िया पहचानना।
(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :
(a) मोहन और रमेश सच्चे मित्र थे। ' ('मित्रता' शब्द का प्रयोग कीजिए।)
(b) मुझसे कोई भी बात कहने में संकोच न करें। (रेखांकित के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य को पुनः लिखिए।)
(c) शिक्षक ने अपने शिष्य को आदेश दिया। (वचन बदलिए।)

SECTION – B (40 MARKS)
Attempt four questions from this Section.

साहित्य सागर – संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar – Short Stories)

Question 5.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं, पर एक और अपराध करने का साहस वह न जुटा पाया। उसकी आँखें खुल गई थीं।"

[बात अठन्नी की – सुदर्शन]
[Baat Athanni Ki – Sudarshan]
(i) किसे कौन फँसा रहा था ? उसने क्या अपराध किया था ? [2]
(ii) रसीला कौन है ? उसका परिचय दीजिए। [2]
(iii) हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए ? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए। [3]
(iv) इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है ? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए ? समझाकर लिखिये। [3]

Question 6.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन । फ़ौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो …' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि में यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।"
[नेताजी का चश्मा – स्वयं प्रकाश]
[Netaji Ka Chasma – Swayam Prakash]
(i) मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी ? [2]
(ii) यह मूर्ति किसने बनाई थी और इसकी क्या विशेषताएँ थीं? [2]
(iii) मूर्ति में क्या कमी थी ? उस कमी को कौन पूरा करता था और कैसे ? [3]
(iv) नेताजी का परिचय देते हुए बताइए कि चौराहे पर उनकी मूर्ति लगाने का क्या उद्देश्य रहा होगा ? क्या उस उद्देश्य में सफलता प्राप्त हुई ? स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 7.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा-"होगा कोई।" तीन गज की दूरी से दिख पड़ा, एक लड़का, सिर के बड़े-बड़े बाल खुजलाता चला आ रहा था। नंगे पैर, नंगे सिर, एक मैली-सी कमीज़ लटकाए है।
[अपना-अपना भाग्य' – जैनेन्द्र कुमार]
[Apna-Apna Bhagya'-Jainendra Kumar]
(i) यहाँ पर किस बालक के संदर्भ में कहा गया है ? उस समय उसकी क्या स्थिति थी? [2]
(ii) बालक ने अपने घर-परिवार के संबंध में क्या-क्या बताया ?
(iii) इस समय उस बालक के सामने कौन-सी समस्या थी? क्या उस समस्या का हल हो पाया ? यदि नहीं तो क्यों? [3]
(iv) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने हमें क्या संदेश देना चाहा है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 8.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
"लाठी में गुण बहुत हैं, सदा राखिये संग। गहरि, नदी, नारी जहाँ, वहाँ बचावै अंग।। वहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे। दुश्मन दावागीर, होयँ तिनहूँ को झारै।। कह 'गिरिधर कविराय' सुनो हो धूर के बाठी।। सब हथियार के छाँड़ि, हाथ महँ लीजै लाठी।।"
[कुंडलियाँ – गिरिधर कविराय]
[Kundaliya – Giridhar Kavi Rai]
(i) इस कुंडली में किसकी उपयोगिता बताई गई है ? कवि ने किस समय मनुष्य को लाठी रखने का परामर्श दिया है? [2]
(ii) लाठी हमारे शरीर की सुरक्षा किस प्रकार करती है [2]

(iii) लाठी किन तीनों से निपटने में सहायक होती है और किस प्रकार? [3]
(iv) कवि सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात क्यों कर रहे हैं? अपने विचार व्यक्त करते हुए कुंडलियाँ लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 9.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
"चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए, और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए। ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूंगा। अभिमन्यु जैसे हो सकोगे तुम, तुम्हारे दुःख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।"
[भिक्षुक – सूर्यकान्त त्रिपाठी – "निराला']
[Bhikshuk – Suryakanth Tripathi – 'Nirala']
(i) पहली दो पंक्तियों में कवि ने क्या दृश्य प्रस्तुत किया है ? [2]
(ii) इस भावुक दृश्य से हमारे हृदय में क्या भाव उत्पन्न होते हैं ? [2]
(iii) क्या भिक्षुकों की मदद करना मानवीय धर्म नहीं है ? यहाँ अभिमन्यु का उदाहरण कवि ने क्यों दिया [3]
(iv) प्रस्तुत कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

Question 10.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखितं पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूंगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।
[मातृ मंदिर की ओर – सुभद्रा कुमारी चौहान]
[Matri Mandir Ki Or – Subhadra Kumari Chauhan]
(i) 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है ? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है ? [2]
(ii) कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]
(iii) मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवयित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ? [3]
(iv) प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की किस भावना को दर्शाया गया है ? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या सन्देश देना चाहती हैं ? [3]

Question 11.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :"मीनू.....अरे मीनू कैसे कर सकती है ? यह रस्म तो शादीशुदा बहन ही कर सकती है। मीनू की तो अभी शादी भी नहीं हुई।"
(i) उपर्युक्त कथन की वक्ता कौन है ? उसका परिचय दीजिए। [2]
(ii) वक्ता ने क्यों कहा कि मीनू यह रस्म नहीं कर सकती ? यहाँ किस रस्म की बात हो रही है ? [2]
(iii) वक्ता की बात सुनकर मीनू तथा मीनू की माँ की स्थिति का वर्णन करते हुए बताइए कि क्या उसके द्वारा वह रस्म पूरी की गई थी ? स्पष्ट कीजिए। [3]
(iv) "एक अविवाहित स्त्री को समाज में उचित सम्मान नहीं मिलता।" उपन्यास के आधार पर अपने विचार लिखिए। [3]

ZIEL

Question 12.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ है। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया। उसे देखकर अमित के मुरझाये चेहरे पर भी खुशी की लहर दौड़ गई।"
(i) मीनू अमित को देखने कहाँ गई थी ? जाते समय वह मन में क्या सोच रही थी ? [2]
(ii) कमरे में प्रवेश करते ही उसने क्या देखा ? अमित की माँ ने मीनू से क्या पूछा ? उसने क्या उत्तर दिया ? [2]
(iii) मीनू के वकालत पास करने पर अमित की माँ को विशेष खुशी क्यों हो रही थी ? क्या उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। [3]
(iv) मीनू के हृदय में बचपन से ही किसके प्रति दया की भावना थी ? वह उनकी किस प्रकार सहायता करने का निश्चय कर रही है ? [3]

Question 13.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
"परंतु तुम ये तो सोचो कि आजकल शादी के बाद ही दावत दी जाती है। यदि हम प्रीतिभोज नहीं देंगे तो दुनिया वाले क्या कहेंगे और फिर बड़े घर की लकड़ी आ रही है। दावत नहीं देंगे तो सब लोग बात बनाएंगे।"
(i) उपर्युक्त कथन किसने, किस अवसर पर कहा था ? [2]
(ii) 'बड़े घर की लड़की' किसको कहा गया है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
(iii) उपर्युक्त कथन के विषय में अमित के क्या विचार हैं ? वह इस शादी से सहमत क्यों नहीं है ? धनीमल जी ने शादी के प्रस्ताव के साथ क्या लालच दिया था ? [3]
(iv) आजकल के मध्यमवर्गीय परिवारों में विवाह आदि रीति-रिवाज़ों के अवसर पर होने वाले फिजूलखर्चे पर अपने विचार लिखिए। [3]

Question 14.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :
"काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो सकती ! हो पाती तो कुल, धर्म और जाति का भूत मुझे संग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती।"
[संस्कार और भावना – विष्णु प्रभाकर]
[Sanskar Aur Bhavna – Vishnu Prabhakar]
(i) वक्ता कौन है ? यह वाक्य वह किसे कह रही है ? [2]
(ii) 'संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है' यह कथन एकांकी में किसका है ? उसने ऐसा क्यों कहा ? [2]
(iii) संस्कारों की दासता के कारण वक्ता को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ? [3]
(iv) प्रस्तुत एकांकी द्वारा एकांकीकार ने क्या संदेश दिया है ? [3]

Question 15.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :
"प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ " – यह हमारे जीवन का मूलमंत्र है। जो तीर तरकश से निकलकर कमान से छूट गया, उसे बीच में लौटाया नहीं जा सकता। मेरी प्रतिज्ञा कठिनाई से पूरी होगी, यह मैं जानता हूँ और इस बात की हाल के युद्ध में पुष्टि भी हो चुकी है कि हाड़ा जाति वीरता में हम लोगों से किसी प्रकार हीन नहीं है।"
[मातृभूमि का मान – हरिकृष्ण 'प्रेमी']
[Matri Bhoomi Ka Man – Hari Krishna 'Premi']
(i) उपरोक्त कथन के वक्ता और श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) वक्ता ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? कारण सहित लिखिए। [2]
(iii) हाड़ा वंश के राजा कौन थे ? हाड़ा लोगों की क्या विशेषताएँ थीं? उनपर प्रकाश डालिए। [3]
(iv) 'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' – इस कहावत का क्या अर्थ है ? एकांकी के सन्दर्भ में समझाइए। [3]

Question 16.
Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :बेटा, बड़प्पन बाहर की वस्तु नहीं-बड़प्पन तो मन का होना चाहिए। और फिर बेटा घृणा को घृणा से नहीं मिटाया जा सकता। बहू तभी पृथक होना चाहेगी जब उसे घृणा के बदले. घृणा दी जाएगी। लेकिन यदि उसे घृणा के बदले स्नेह मिले तो उसकी समस्त घृणा धुंधली पड़कर लुप्त हो जाएगी।
['सूखी डाली'-उपेन्द्रनाथ 'अश्क']
[Sukhi Dali'-Upendranath Ashka']
(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
(ii) श्रोता ने वक्ता को छोटी बहू के संबंध में क्या बताया था ? [2]
(iii) वक्ता ने परिवार में एकता बनाए रखने का क्या उपाय निकाला ? क्या वे इसमें सफल हुए ? स्पष्ट कीजिए। [3]
(iv) प्रस्तुत एकांकी किस प्रकार की एकांकी है ? इस एकांकी लेखन का क्या उद्देश्य है ? [3]

ZIEL